वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 298 | रविवार 25 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

163 .5 हेक्टेयर जमीन लोगों से लेकर विकसित करेगा जेडीए

चंदलाई, बरखेड़ा, शिवदासपुरा में डवलपमेंट करके अधिकतम 55% तक लौटाई जाएगी, 200 फीट चौड़ी सड़क बनेगी

जयपुर. कासं। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने प्रदेश की पहली लैंड पूलिंग स्कीम को लेकर ड्राफ्ट प्लान जारी कर दिया है। पुरानी टोंक रोड पर ग्राम शिवदासपुरा, चंदलाई और बरखेड़ा में यह स्कीम प्रस्तावित है। लगभग 163.5 हेक्टेयर भूमि पर लैंड पूलिंग स्कीम प्रस्तावित है, जिसे धरातल पर उतारने के लिए कुल 223 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इससे सड़क, रोड लाइट, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। ऐसे में अब इस प्लान को लेकर अगले 30 दिनों में प्रस्तावित स्कीम को लेकर आपत्ति और सुझाव दिए जा सकेंगे। शिवदासपुरा, चंदलाई और बरखेड़ा में प्रस्तावित इस स्कीम में 40 फीट से लेकर 200 फीट चौड़ी सड़कें प्रस्तावित की गई है। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किए गए ड्राफ्ट के अनुसार खातेदारों को जमीन के बदले 35 से 55 प्रतिशत विकसित भूमि बतौर मुआवजा मिल सकेगी। वहीं नीलामी के लिए जेडीए को 10 प्रतिशत जमीन मिलेगी। मास्टर प्लान में स्कीम की अधिकतर जमीन का भू उपयोग आवासीय है। इसके साथ ही रीक्रिएशनल, सार्वजनिक और अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग है। स्कीम को धरातल पर उतारने में जितना खर्च आएगा, उसमें जमीन के खातेदारों से भी हिस्सेदारी लेने का प्रावधान किया है।

राहुल गांधी से पहले सीएम भजनलाल की आभार यात्रा

लोकसभा चुनाव में ईआरसीपी को बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी; राजस्थान के 9 जिलों में जाएंगे

जयपुर. कासं

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा रविवार को राजस्थान में प्रवेश करेगी। उससे पहले शनिवार को सीएम भजनलाल शर्मा और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) आभार यात्रा पर निकल गए हैं। इस यात्रा की शुरूआत शनिवार (24फरवरी) को अलवर जिले के बड़ौदामेव से हो गई है। इस यात्रा में सीएम भजनलाल शर्मा पूर्वी राजस्थान के 7 जिलों अलवर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, गंगापुरसिटी, दौसा में ईआरसीपी आभार जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं, टोंक और जयपुर जिले के चाकसू में भी आभार सभा आयोजित होगी। दरअसल, ईआरसीपी को बीजेपी लोकसभा चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी कर रही है। अब ईआरसीपी के एमओयू को बीजेपी जनता के बीच लेकर जाएगी। इसी क्रम में सीएम भजनलाल शर्मा ने यात्रा शुरू की है।

आभार यात्रा से 5 लोकसभा सीटों को साधेंगे सीएम

ईआरसीपी को कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में मुद्दा बनाया था। इसमें कांग्रेस बहुत हद तक सफल नहीं हो सकी थी। अब सीएम भजनलाल शर्मा इसी ईआरसीपी को लोकसभा में एक अचूक हथियार की तरह इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहे हैं। यात्रा के दौरान जगह-जगह ईआरसीपी के एमओयू को लेकर सीएम का स्वागत और आभार जताया जाएगा। वहीं, यहां आयोजित आभार सभाओं में सीएम इस योजना को लागू करने का श्रेय लेने और कांग्रेस पर इसे लटकाए रखने का आरोप लगाते नजर आएंगे। इस यात्रा से बीजेपी अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा, टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा सीटों को साधने की कोशिश में है।

यात्रा की टाइमिंग से सियासी पलटवार

रविवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा राजस्थान में प्रवेश करेगी। यहां राहुल गांधी जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले ईआरसीपी आभार यात्रा पर निकलकर सीएम ने एक तरह से कांग्रेस पर सियासी पलटवार किया है। सीएम भजनलाल शर्मा के इस कदम को भारत न्याय यात्रा के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

राजस्थान के 15 जिलों में बारिश की संभावना

दो दिन बाद एक्टिव होंगे सिस्टम, ओले गिरने का भी अलर्ट, सर्द हवा चलने से गिरा तापमान

जयपुर. कासं

राजस्थान में आने वाले दिनों में फिर से मौसम बदल सकता है। अगले सात दिनों में राज्य में दो अलग-अलग वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहे हैं। पहला सिस्टम 26 और 27 फरवरी को एक्टिव होने वाला है। इसमें 15 जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं, दूसरा सिस्टम 1 और 2 मार्च को एक्टिव होगा। इसमें बारिश के साथ ओले गिरने की भी संभावना है। भारतीय मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- राजस्थान में आने वाले वक्त में दो वेदर सिस्टम एक्टिव होंगे। जो पहला सिस्टम एक्टिव हो रहा है, इससे प्रदेश में बादलों की आवाजाही के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। हालांकि यह वेदर सिस्टम ज्यादा ताकतवर नहीं होगा। पिछले 24 घंटे में सर्द हवा चलने से तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई है। इसके बाद राजस्थान के हनुमानगढ़ में जहां न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। वहीं करौली में न्यूनतम तापमान घटकर 6.5 डिग्री पर आ गया है। इसके साथ ही अजमेर में न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री, भीलवाड़ा में 8.4 डिग्री, अलवर में 6.8 डिग्री, जयपुर में 13.3 डिग्री, सीकर में 11.4 डिग्री, उदयपुर में 8.9 डिग्री, सिरोही में 8.2 डिग्री, जैसलमेर में 11 डिग्री गंगानगर में 8.8 डिग्री और जालोर में 6.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में प्रदेश में एक बार फिर बादलों की आवाजाही शुरू होगी।

शरद पूर्णिमा का चाँद दूर हम से हो गया,
इस धरा का चाँद आसमान में खो गया

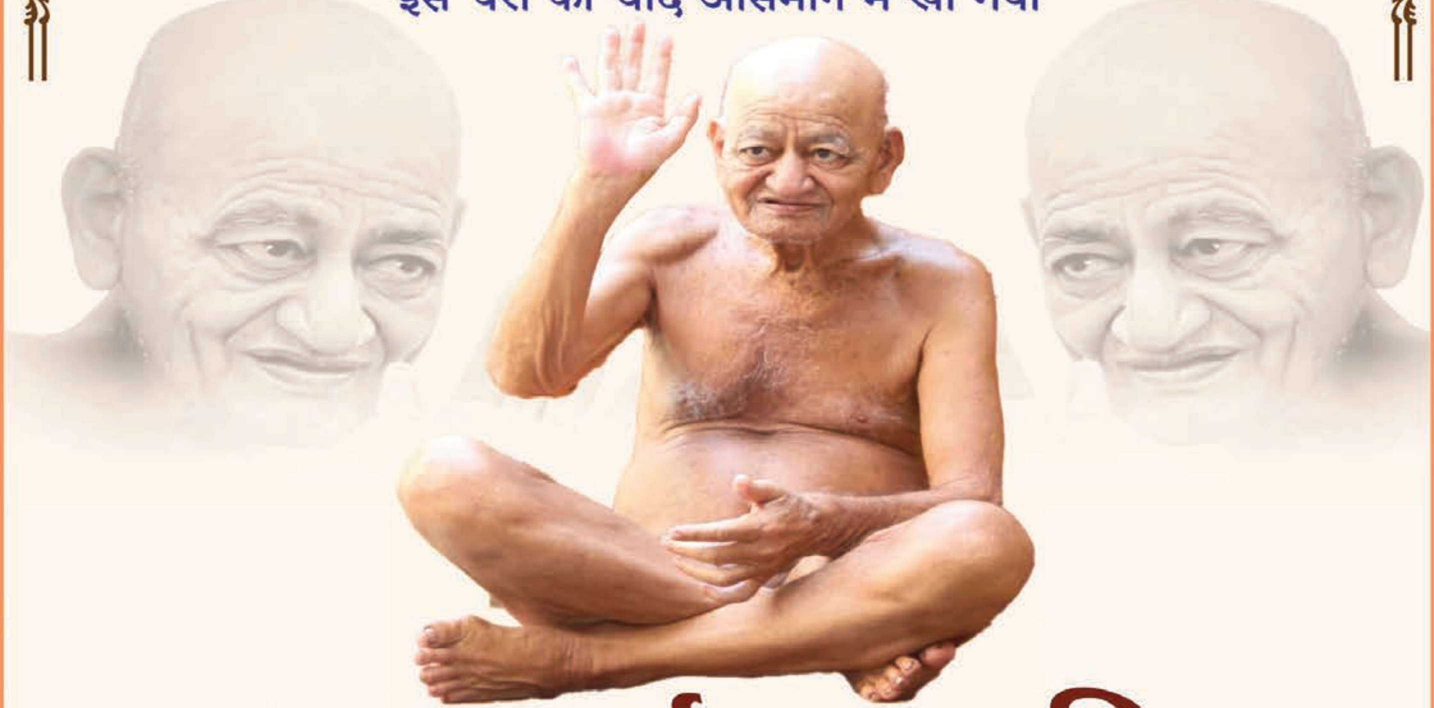

समतापूर्वक समाधि

अध्यात्म सरोवर के राजहंस, श्रमण संस्कृति के महासूर्य, जैनधर्म के सर्वोच्च महासाधक,
धर्मरथ के महारथी, मुकमाटी महाकाव्य के सृजेता,
राष्ट्रहित चिंतक

संत शिरोमणि

आचार्य श्री 108 श्री विद्यासागर जी महाराज

कोटिश: नमोस्तु सहित सहृदय

विनम्र विनयांजली

हमारे गुरूदेव आचार्य भगवान
सदा जयवंत रहेंगे

वंदनकर्ता गुरूभक्त सेवक

SHAKUN

श्री दिगंबर जैन महातिशयकारि ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र ज्ञानोदय नगर नारेली अजमेर (राज.)
मनीष जैन (अध्यक्ष) अतुल जैन (महामंत्री) मिश्रीलाल जैन (कोषाध्यक्ष)

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान
संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी, सांगानेर, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, सांगानेर
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन सुदर्शनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र आंवा,
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी, जिला टोंक (राज.)

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन तपोदय अतिशय क्षेत्र बिजोलिया,
चार्य विद्यासागर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिजोलिया,
एवं समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी,
सकर दिगंबर जैन समाज मेवाड़ प्रांत

श्री चंवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन देशनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र कमेटी चैनपुरा (शाहपुरा)
प्रकाश कासलीवाल (अध्यक्ष), कैलाश चन्द सोगाणी (मंत्री)
आगचन्द बंसल (कोषाध्यक्ष)

श्री आदिनाथ दिग्म्बर जैन गुणोदय अतिशय
तीर्थ क्षेत्र समिति गुलगांव केकड़ी अजमेर
शीतल कटारिया गौरव अध्यक्ष, ओम प्रकाश जैन अध्यक्ष
सुनील जैन गुणोदय महामंत्री, टिकम जैन कोषाध्यक्ष
अशोक अजगरा निर्माण अध्यक्ष

एम.एस. ज्वैलर्स
मनोज सोगानी, मुकेश सोगानी, मनन सोगानी,
54, पहली मंजिल, कानोता मार्केट,
हल्दियों का रास्ता,
जौहरी बाजार, जयपुर - 302003

द किशोर-शांता देवी पहाड़िया, प्रमोद-नीना पहाड़िया सुनील-निशा पहाड़िया
M/S APL & Akshat Group

श्रीमती पुष्पलता काला, विवेक-आशा काला, आलोक-रीटा,
अजय-सुनीता, संजय-सरीता एवं समस्त काला परिवार

विनय-आभा, विवेक मैत्री, वेबी अविष्का जैन (अहमदाबाद)
संभव जी-आयुषी जैन (दिल्ली)

श्रीमती रेणु राणा धर्मपत्नी स्व. गणेश कुमार राणा
मोहित-नम्रता राणा एवं समस्त परिवार

उत्तम कुमार-सरोज पाण्ड्या, लोकेश,
तपेश पाण्ड्या एवं समस्त परिवार खोरावाले

योगेन्द्र-उर्मिल, अंकुश-प्राची, गौरव-आस्था,
वत्सल जैन (खेकड़ा वाले, गाजियाबाद)

श्रीमती विजया देवी कटारिया, अजय-माया, विजय-अनीता,
संजय-मीनू कटारिया एवं समस्त परिवार (केकड़ीवाला)

जयन्ती परिवार,
अलवर

शैलेन्द्र-पियंका गोधा, राजकुमार यश पहाड़िया,
विनोद (मोनू)-रविना छाबड़ा

राकेश-स्वाति नेकीवाला,
अंशुल-कपिल नेकीवाला

एमसीएल चिल्ड्रन एकेडमी ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया वार्षिकोत्सव

कानन. शाबाश इंडिया

एमसी चिल्ड्रन एकेडमी विद्यालय में आज प्रातः 11:00 बजे तहसीलदार मामराज शर्मा के विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया और सर्वप्रथम उन्होंने मां सरस्वती के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर श्याम लाल शर्मा के द्वारा तहसीलदार मामराज शर्मा, समाजसेवी भगवानसिंह ठेकेदार, समाजसेवी रमन आर्य, निहाल मीना, कवि डी के जैन मित्तल, महाराज सिंह, फौजी आदि का उत्तरीय ओढ़ाकर प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विधिवत संचालन कविताओं के साथ कवि डी के जैन मित्तल के द्वारा किया गया। विद्यालय के बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई जिसमें गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, कव्वाली, बम बम बोले, बेटियां, मोटिवेशनल सांग, सौगंध मुझे इस मिट्टी की देशभक्त गीत आदि पर बच्चों द्वारा प्रस्तुति दी गई। गोविंद सर, सारिका मेम, रमन आर्य, भगवानसिंह, निहाल मीणा, चुन्नी लाल जी आदि ने अपने वक्तव्य दिए। अंत में स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर श्यामलाल शर्मा ने अतिथियों पेरेंट्स टीचर्स स्टूडेंट्स एवं सभी कलाकारों का आभार व्यक्त किया। बच्चों की प्रस्तुतियों पर उपहार स्वरूप राशि समाजसेवियों, पेरेंट्स एवं टीचर्स के द्वारा दी गई।

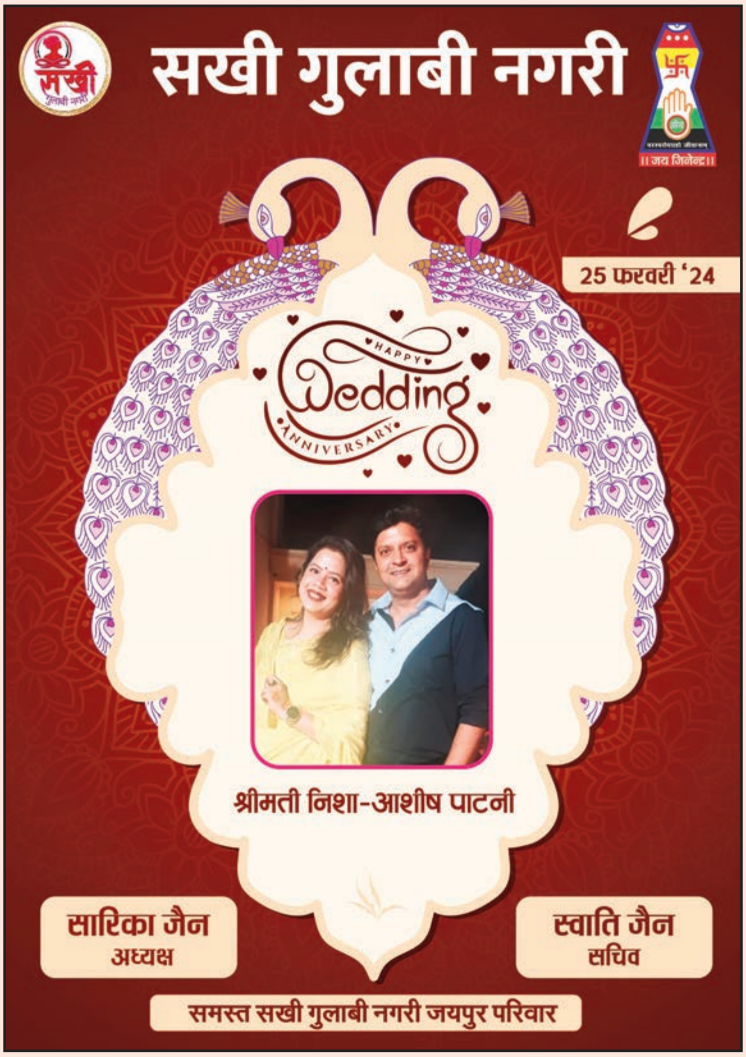

वेद ज्ञान

सरल और सुगम बनना जरूरी

अनुशासन का अर्थ है नियम के अंतर्गत चलना। अब प्रश्न है कि नियम क्या है? नियम नैतिकता को कहते हैं और नैतिकता, सरलता और सुगमता को कहा जाता है। यह जो नीति शब्द है वह 'ऋत' से बना है। 'ऋत' का अर्थ है जो सरल और सुगम हो। यही शब्द आगे चलकर 'ऋत' बना और 'ऋत' से ही नीति बन गया। नैतिकता इसी नीति से बना हुआ शब्द है, जिसका अर्थ होता है, जीवन में सरल और सुगम बनना। प्रत्येक मनुष्य जन्म से ही सरल और सुगम होता है। बचपन में कोई विकार नहीं होता। इसलिए बचपन सब को प्यारा लगता है। लेकिन मनुष्य जब बड़ा हो जाता है, तो विकारग्रस्त बन जाता है। उसमें बुराइयां आ जाती हैं। इसी बुराई से बचने के लिए संयम, नियम और अनुशासन की आवश्यकता पड़ती है। अनुशासन दो प्रकार के होते हैं-एक बाहर का अनुशासन और दूसरा अंतर्मन का अनुशासन। बाहर का अनुशासन दिखावटी होता है और भीतर का अनुशासन मौलिक होता है। बाहर के अनुशासन के लिए हम व्यायाम करते हैं, लेकिन भीतर के अनुशासन के लिए हमें प्राणायाम करना पड़ता है। भीतर का अनुशासन तभी आता है, जब मन में उठ रहे काम और क्रोध के वेग को प्राणायाम से नियंत्रित किया जाए। अंतर्मन के अनुशासन के लिए प्राणायाम के सिवा और कोई रास्ता नहीं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि अंतर्मन की क्रिया को बाहर से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। जीवन में अनुशासन आए, यह अच्छी बात है, लेकिन अनुशासन भीतर का हो, बाहर के अनुशासन से भीतर को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। अनुशासन तो भीतर से आना चाहिए। अगर कोई छात्र टीचर के भय से अथवा कमांडर के भय से सीधा खड़ा है, तो वह अनुशासन में नहीं है, वह भय के कारण अनुशासन में दिख रहा है। इसलिए जहां भय होगा, वहां अनुशासन नहीं हो सकता। पतंजलि ने संयम, नियम और आसन की बात की है। संयमपूर्वक नियम का पालन ही अनुशासन है। जो भीतर से नियम का पालन करे, जिसका मन सरल बन जाए, विकार मुक्त हो जाए, जो काम क्रोध और अहंकार से प्रभावित न हो, उसे ही अनुशासित कहते हैं।

संपादकीय

बर्बर तरीके से सजा-ए-मौत देना सभ्य समाज के लिए घातक

वक्त के साथ सभ्य होती दुनिया में मनुष्य ने अपनी जीवन-स्थितियों को जहां ज्यादा से ज्यादा मानवीय बनाने की कोशिश की है, वहीं नकारात्मकता और मानव समाज को नुकसान पहुंचाने वालों के प्रति भी कई बार नरम रुख अख्तियार किया है। इसकी वजह यह है कि विपरीत हालात में भी इंसान में सुधरने की उम्मीद कायम रहती या फिर बाकी समाज को वैसा ही बनने से बचाने की मंशा होती है। मगर आज भी कई ऐसी घटनाएं

सामने आती हैं, जिनसे पता चलता है कि अभी सभ्यता का सफर अधूरा है और मौजूदा दौर में भी बर्बरता कई रूपों में दुनिया के सामने आ जाती है। मसलन, अफगानिस्तान के वार्दाक प्रांत में गजनी के एक फुटबाल स्टेडियम में जमा हजारों लोगों के बीच गुरुवार को सार्वजनिक तौर पर दो लोगों को मौत की सजा दी गई। दोनों दोषियों पर अलग-अलग हमलों में दो लोगों की हत्या करने का आरोप था और तालिबान के सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें दोषी पाया था। सन 2021 में सत्ता पर कब्जा जमाने के बाद से अब तक तालिबान चार लोगों को इसी तरह सार्वजनिक रूप से सजा दे चुका है। प्रथम द्रष्टया इसे किसी देश के कानून के मुताबिक दी जाने वाली सजा और उसका आंतरिक मामला मान सकते हैं। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को जिस रूप में देखा-जाना जाता है, उसमें किसी अपराधी को सार्वजनिक प्रदर्शन के साथ मौत की सजा देना कोई हैरानी नहीं पैदा करता है। मगर जिस दौर में समूची दुनिया में आम लोगों के मानवाधिकारों और सभी स्तरों पर लोकतंत्र के विस्तार के लिए आवाजें उठ रही हैं, जेलों में बंद अपराधियों तक के मानवाधिकारों की वकालत की जा रही है, यहां तक कि मौत की सजा पाए दोषियों को सजा देने के कम दर्दनाक तरीके खोजे जा रहे हैं, वैसे में हजारों लोगों के जमावड़े के बीच बर्बर तरीके से सजा-ए-मौत दिए जाने को अमानवीय ही कहा जाएगा। यह सही है कि हत्या के अपराधी को उचित सजा मिलनी चाहिए, लेकिन अगर उसके लिए कानूनी तौर पर मृत्युदंड भी तय किया गया हो, तो किसी उत्सव की तरह हजारों लोगों के जमावड़े के बीच उसका सार्वजनिक प्रदर्शन किसी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज का लक्षण नहीं कहा जा सकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नाटो की पहेली

24 फरवरी को यूक्रेन पर रूस के हमले को दो वर्ष पूरे हो गए लेकिन कीव (यूक्रेन की राजधानी), मॉस्को और ब्रसेल्स (यूरोपीय संघ और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो का मुख्यालय) में सबकी नजरें नवंबर में होने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों पर लगी हुई हैं। इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से डॉनल्ड ट्रंप का नामांकन तय माना जा रहा है और उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने की काफी अधिक संभावना है यूरोपीय संघ और यूक्रेन के लिए ट्रंप की जीत से बुरा शायद ही कुछ घटित हो यह बात 10 फरवरी को उस समय साबित हुई जब उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में अमेरिका नाटो के ऐसे सदस्य देश का बचाव नहीं करेगा जो अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का दो फीसदी से भी कम हिस्सा रक्षा पर खर्च करता हो। इसके उलट उन्होंने जोर देकर कहा कि वह रूस से कहेंगे कि वह जो करना चाहता है करे। यह वक्तव्य पिछले दिनों म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में छाया रहा और यह 75 साल पुराने इस समझौते के अनुच्छेद पांच का उल्लंघन करता है जिसमें कहा गया है कि नाटो के किसी सदस्य देश पर हमले को सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा। वह यूक्रेन के लिए जाहिर तौर पर बुरी खबर है क्योंकि वह पहले ही रक्षा उपकरणों की कमी से जूझ रहा है। उधर अमेरिकी कांग्रेस के रिपब्लिकन बहुल निम्न सदन में यूक्रेन को सैन्य और नागरिक सहायता देने का विरोध किया जा रहा है। यूक्रेन नाटो का पूर्ण सदस्य नहीं है लेकिन वह उसके दशक भर पुराने एक कार्यक्रम का हिस्सा है जिसका अर्थ यह है कि वह नाटो के साथ करीबी सहयोग करता है। यूक्रेन को लगने वाला सैन्य झटका यूरोप की सुरक्षा के लिए भी खतरा होगा। नाटो के सदस्यों द्वारा अपेक्षा से कम व्यय ने भी ट्रंप और उनके पहले के राष्ट्रपतियों को नाराज किया था। हालांकि उनकी नई धमकी में इस तथ्य की अनदेखी की गई है कि दो फीसदी निवेश का निर्देश बाध्यकारी नहीं है। सबसे पहले 2006 में नाटो के रक्षा मंत्रियों ने यह वादा इसलिए किया था कि इससे बोझ को वहन करने में आसानी होगी जब रूस ने 2014 में क्राइमिया का अधिग्रहण कर लिया तो इस बात को दोहराया गया। ट्रंप प्रशासन का यह कहना सही था कि अधिकांश नाटो सदस्य इस प्रतिबद्धता की अनदेखी करते हैं। वर्ष 2014 में केवल तीन सदस्य देशों ने अपने जीडीपी का दो फीसदी रक्षा पर खर्च किया था। उसके बाद से हालात में बदलाव आया है क्योंकि यूरोप को डर है कि रूस कभी भी आक्रमण कर सकता है। इस वर्ष नाटो के 31 में से 18 सदस्य देशों के इस लक्ष्य को हासिल करने की अपेक्षा है। बाल्टिक देश जो रूसी आक्रमण की स्थिति में सुरक्षा की पहली पंक्ति के रूप में सामने आएंगे, उन्होंने अपनी पूर्वी सीमा को सुदृढ़ करने का काम आरंभ कर दिया है। पारंपरिक और परमाणु हथियार दोनों ही क्षेत्रों में यूरोप और रूस में जो असमानता है उसे देखते हुए यह स्पष्ट नहीं है कि नाटो बिना अमेरिकी सैन्य मदद के प्रभावी बचाव कैसे कर पाएगा। विश्लेषकों का कहना है कि यूरोप को अधिक व्यय करना होगा। भारत के लिए सवाल यह है कि उसे अमेरिका के अलावा नाटो को लेकर किस तरह की प्रतिक्रिया देनी चाहिए। यह समूह विश्व युद्ध के बाद के सुरक्षा ढांचे में अहम रहा है। यह बात ध्यान देने वाली है कि गत वर्ष जून में भारत ने अमेरिका की उन भावनाओं को नकार दिया था जिनमें वह चाहता था कि भारत चीन पर केंद्रित नाटो प्लस में शामिल हो। इस समूह में नाटो के अलावा अमेरिका के पांच सहयोगी देश-ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इजरायल और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। यह अनौपचारिक समूह चीन के साथ क्षेत्रीय तनाव की स्थिति में सुरक्षा मुहैया करा सकता है विदेश मंत्री का कहना था कि इसमें शामिल होने से देश की सामरिक स्वायत्तता सीमित हो जाएगी।

जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागर जी महाराज का हुआ डोंगरगढ़ प्रवेश

अशोक नगर थूवोनजी कमेटी ने की आगवानी किए श्री फल भेंट

आचार्य श्री दिखलायें गये पदचिन्ह पर चलना है : निर्यापक श्रमण समय सागर जी महाराज

डोंगरगढ़. शाबाश इंडिया। जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागरजी महाराज ससंघ का चन्द्रोदय तीर्थ डोंगरगढ़ में भव्य मंगल प्रवेश हुआ जहां अन्य भक्तों के साथ अशोक नगर समाज अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगु मिल, कोषाध्यक्ष सौरव वाझल, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, गंज मन्दिर संयोजक उमेश सिघई, गोशाला उपाध्यक्ष पवन वर्तन, पूर्व महामंत्री महेश घमंडी, सी ए अक्षय जैन, अमरोद प्रवीण माम, अशोक जैन धुर्रा, संजीव भइया, देवेन्द्र जैन, हेमू जैन, राजू जैन सहित मुनि संघ को श्री फल भेंट किए । इसके पहले अशोक नगर पंचायत कमेटी व थूवोनजी कमेटी ने समाधि स्थल पर पहुंचकर जैन समाज की ओर विनयांजलि अर्पित कर कायोत्सर्ग कर आचार्य भगवंत का गुणानुवाद किया।

देशभर में मन्दिरों की श्रृंखला आचार्यश्री ने खड़ी की: विजय धुर्रा

इस अवसर पर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने देशभर में मन्दिरो की स्थापना को प्रेरित किया और इसी का परिणाम रहा कि डोंगरगढ़ में भव्य तीर्थ का निर्माण हो रहा है इसके साथ ही रामटेक कुंडलपुर विदिशा भोपाल नेमावर वीनावालह सहित सैकड़ों स्थानो पर निर्माण हुए जो श्रमण संस्कृति को अजर अमर करेंगे। इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद ने समाज की ओर से श्री संघ को अशोक नगर की ओर विहार करने का निवेदन करते हुए कहा कि मुनि संघ की साधना और परिचार्य के योग्य सम्पूर्ण वातावरण थूवोनजी तीर्थ स्थल पर है जहां विशाल संघ के सान्निध्य का लाभ अशोक नगर जैन समाज व अन्य समाज को मिलेगा ।

धर्म सभा में अशोक नगर का किया उल्लेख: इस दौरान विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनि समयसागरजी महाराज ने कहा कि आचार्य महाराज ने सन दो हजार चौदह में कहा दिया कि प्रभावना के लिए इन्दौर जाना है वहीं चातुर्मास हुआ फिर बागीदौरा सन दो हजार सतरा में अशोक नगर चातुर्मास हुआ अशोक नगर में संयम महोत्सव भी हमने अशोक नगर में मनाया सतना से हमने गुरु महाराज के दर्शन की भावना रखी बहुत पास थे फिर भी कह दिया पीछे पीछे चल आये। हम तो गुरु महाराज के पीछे ही चल रहे थे अभी वासौदा से चल रहें थे और डोंगरगढ़ में आयें तो फोटो के दर्शन हो रहे हैं हम तो गुरु महाराज के पीछे चलते रहे उनके पद चिन्हों पर आगे भी इसी तरह पीछे पीछे चलते रहेंगे।

भारतीय संस्कृति के विस्तार के आचार्य श्री ने चलाया अभियान: उन्होंने कहा कि आचार्य श्री ने भारत संस्कृति सभ्यता के लिए बहुत कुछ किया जब यशोधर महाराज पर उपसर्ग करने वाला राजा श्रेणिक परिणामों को सूधारकर तीर्थंकर प्रकृति को प्राप्त कर सकता है तो गुरु महाराज तो निश्चित रूप से तीर्थंकर सम वनकर हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे: उन्होंने कहा कि एक प्रशस्त राग होता है एक धमार्नुराग होता है धमार्नुराग का प्रसंग वना है धमार्नुराग ही हमें इस भव से पार उतारेगा हम जो आचार्य भगवंत से मार्ग दिखाया है उसी का अनुशरण करके सभी को धर्म ध्यान करना है आचार्य भगवंत ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता के लिए बहुत सारे प्रकल्प दिये जो जिस योग्य है उसको वैसी प्रेरणा दी आप लोग भी उन सन्देशो आगे बढ़ये हे गुरुदेव आप कहीं भी रहे आपके चरण हमारे हृदय में और हमारा हृदय आपके चरणों में रहें।

कमेटी ने किया मुनि संघों को श्री फल भेंट किए: जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा के नेतृत्व में सिवनी में मुनि श्री प्रभात सागर जी महाराज ससंघ मुनि श्री आनंद सागर जी महाराज ससंघ एवं मुनि श्री विराट सागर जी महाराज ससंघ को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया वहीं भाग्योदय सागर में मुनि श्री आगम सागरजी महाराज ससंघ आर्यिका रत्न गुरुमति माताजी आर्यिका रत्न दृढ़मति माताजी ससंघ को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए अशोक नगर दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी पधारने का निवेदन किया।

आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की विन्यांजलि सभा आज 25 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। युग दृष्टा, महामनीषी, दीर्घकाल संयमी संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के उत्कृष्ट संलेखना के साथ समतापूर्वक समाधिमरण पर जगह जगह विन्यांजलि सभाऐं हो रही है। राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि संपूर्ण विश्व सहित भारतवर्ष में रविवार, दिनांक 25 फरवरी दोपहर 1 से 3 बजे तक विन्यांजलि सभा हो रही है कइसी कड़ी में श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर पर भी रविवार को दोपहर 1.00 बजे से सामूहिक विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया है।समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं महामंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इस मौके पर चन्द्रगिरी डोंगरगढ में आचार्य श्री पर दिखाई जाने वाली डाक्यूमेंट्री फिल्म भी विडियो द्वारा दिखाई जाएंगी। राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक विन्यांजलि सभा में सभी मंदिर कमेटियां, महिला मण्डल, युवा मण्डल, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सहित अन्य जैन संगठनों के प्रतिनिधि, श्रावकगण, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

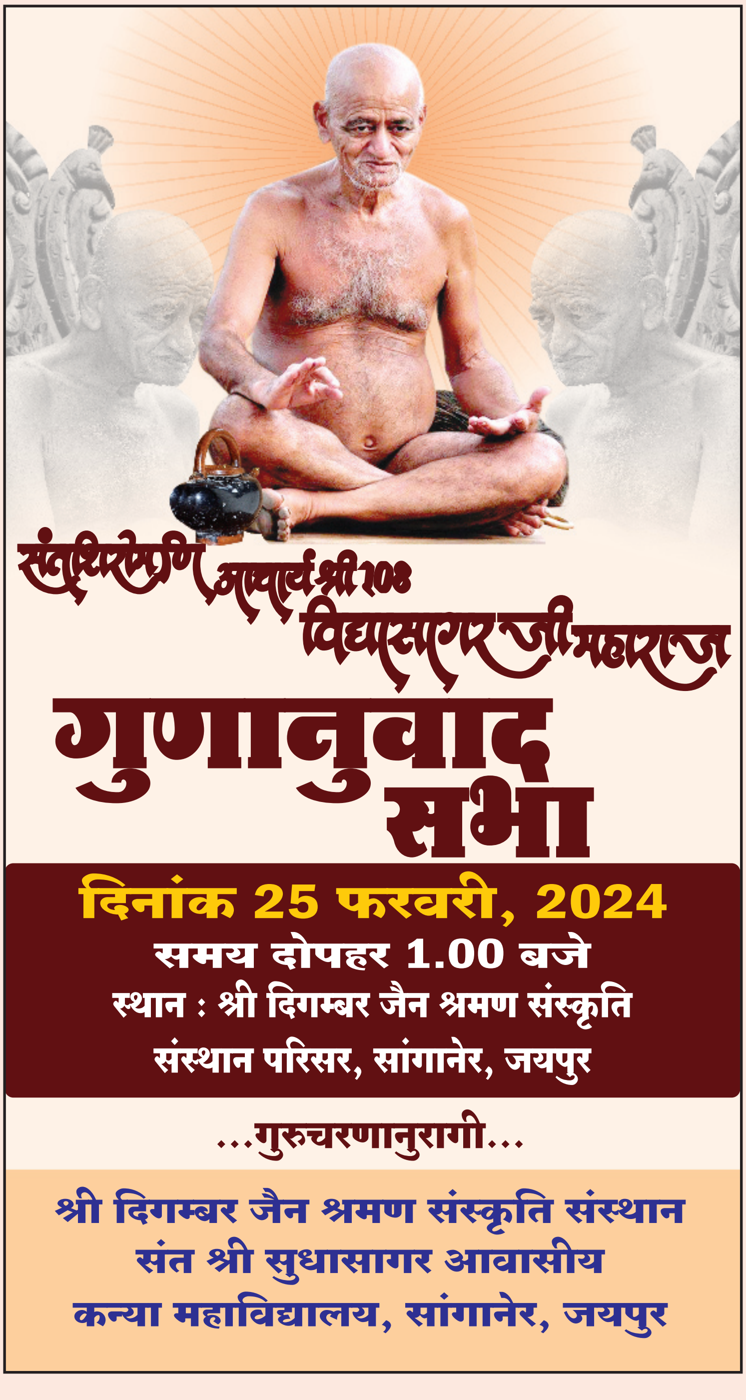

आचार्य श्री विद्यासागर विनयांजलि गुणानुवाद सभा आज रविवार को

अम्बाह. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समाधिस्थ होने के बाद आज 25फरवरी रविवार को जैन साध्वी विश्रेय श्री माता जी के सानिध्य मे शाम 7:00 बजे श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर परेड चौराहा अम्बाह पर विनयांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है जानकारी देते हुए राकेश जैन भंडारी ने बताया कि विश्ववंदनीय,युगद्रष्टा, संत शिरोमणि आचार्य प्रवर विद्यासागर जी महामुनिराज की सल्लेखना पूर्वक, समाधि सम्पूर्ण विश्व,देश एवं समाज के लिए अपूर्णनीय क्षति है।इस दुख की घड़ी में आचार्य श्री के जीवन- गुणानुवाद सभा एवंविनयांजलि का आयोजन रविवार शाम 7:00 बजे परेड चौराहा स्थित जैन मंदिर में किया जा रहा है।

जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभ का मोक्ष कल्याणक 28 फरवरी को

होंगे पदमपुरा जैन मंदिर में विराजमान विशाल खड्गासन प्रतिमा पर महामस्तकाभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभ स्वामी का मोक्षकल्याणक पर्व 28 फरवरी 2024 को मिती फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी संवत 2080 के दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जायेगा।इस अवसर पर राजधानी के टोंक रोड़ स्थित दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में मुख्य आयोजन किया जायेगा और मंदिर में विराजमान भगवान पदमप्रभ की विशाल एवं खड्गासन प्रतिमा पर पंचामृतों महामत्काभिषेक का भव्य आयोजन के साथ छठे तीर्थंकर भगवान को छः किलों का निर्वाण लड्डू मंत्रोच्चारण के साथ चढ़ाया जायेगा। क्षेत्र के मानद मंत्री अधिवक्ता हेमंत सौगनी ने बताया कि बुधवार 28 फरवरी को कार्यक्रम की शुरूवात प्रातः 7.15 बजे भू-गर्भ से प्राप्त मूलनायक पदमप्रभ भगवान के विशेषाभिषेक से प्रारंभ होगी, इस दौरान जगत के कल्याण और विश्व में शांति बनी रहे की कामना के साथ वृहद शांतिधारा का आयोजन होगा।इसके उपरांत प्रातः 8 बजे से भगवान पदमप्रभ का निर्वाण पूजन होगा जिसमें श्रद्धालुगण अष्ट द्रव्यों के साथ पूजन करेंगे और मोक्षकल्याणक पर्व का अर्घ चढ़ाएंगे।पूजन के पश्चात्प्रातः 9 बजे निर्वाणकांड पाठ का गुणगान करते हुए, मोक्षकल्याणक के मंत्रोच्चार के साथ छठे तीर्थंकर भगवान को श्रेष्ठि परिवारजन एवं 6 किलो का सामूहिक निर्वाण लड्डू चढ़ाया जायेगा। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की मोक्ष कल्याणक पर्व के अवसर पर मुख्य आयोजन प्रातः 10.15 बजे से क्षेत्र में विराजमान पदमप्रभ भगवान की विशाल एवं खड्गासन प्रतिमा के पंचामृत महामस्तकाभिषेक से होगी।

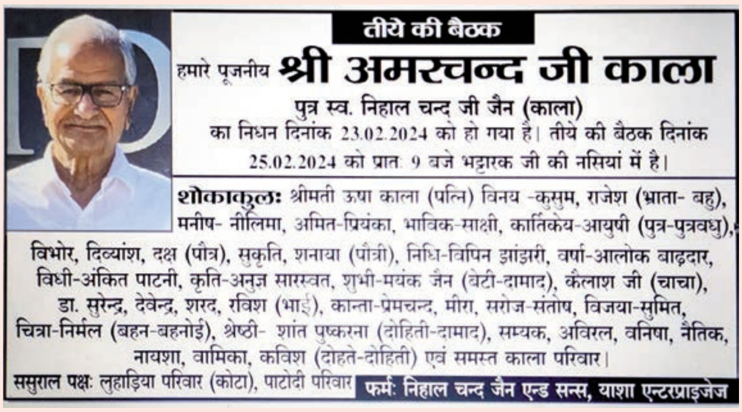

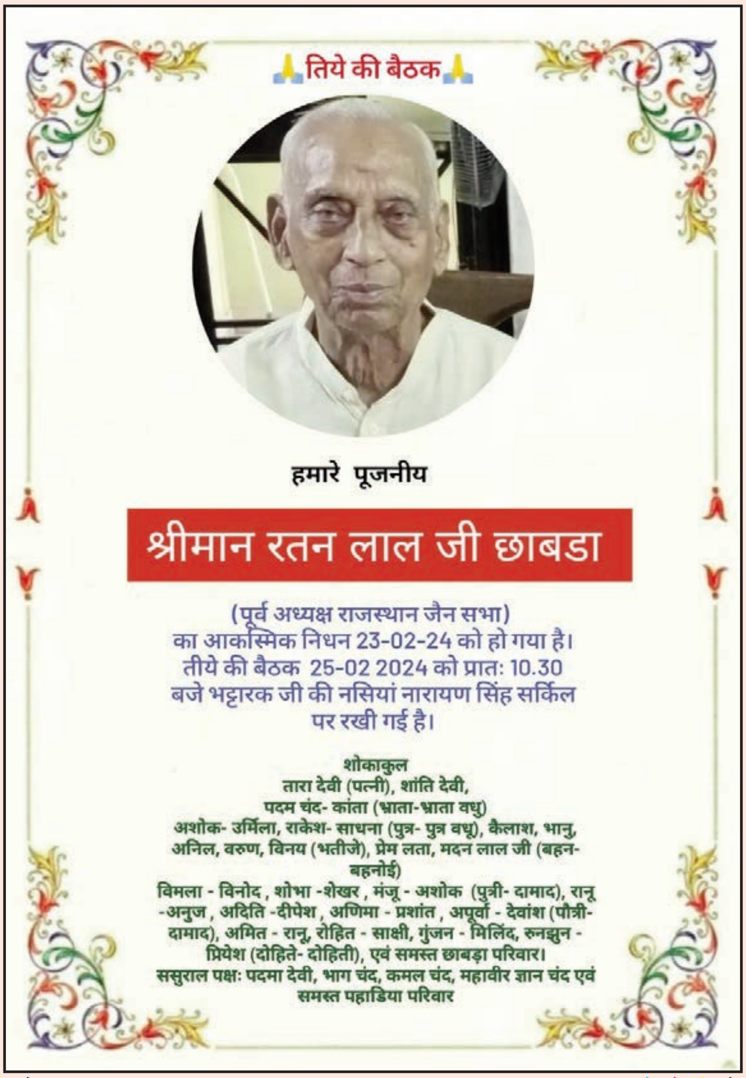

दीक्षा दिवस महोत्सव के अंतर्गत होगा भक्तामर महार्चना का आयोजन

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि - मनुष्य के पास सबसे बड़ी पूंजी अच्छे विचार हैं। क्योंकि धन और बल किसी को भी गलत राह पर ले जा सकते हैं किन्तु अच्छे विचार सदैव अच्छे कार्यों के लिये ही प्रेरित करेंगे। इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन है उसका बुरा दिमाग। क्योंकि वो उन समयों को पकड़-पकड़ कर लाता है जो तकलीफ देने में कारण बनते है। तारीफ चेहरे की नहीं चरित्र व विचारों की होनी चाहिए। क्योंकि अच्छा चेहरा बनाने में चंद मिनिट लगते है लेकिन अच्छा चरित्र व विचार बनाने में पूरा जीवन लगता है। आगामी 25 फरवरी 2024 को गुरुमां का 30वाँ दीक्षा दिवस महोत्सव मनाया जायेगा। इसी अंतर्गत आ. विद्यासागर जी की समाधि उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय सामूहिक विनयांजलि सभा का आयोजन होगा। तत्पश्चात संगीतमय भक्तामर महार्चना का आयोजन कराया जावेगा।

हार्दिक श्रृद्धांजली

आदरणीय श्रीमान रतनलाल जी छाबड़ा साहब
(पूर्व अध्यक्ष राजस्थान जैन सभा, जयपुर)

के आकस्मिक स्वर्गवास पर वीर सेवक मंडल परिवार हार्दिक श्रृद्धांजली अर्पित करता है एवं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें।

श्रृद्धावनत

महेश काला, अध्यक्ष
भानू छाबड़ा, मंत्री

एवं समस्त वीर सेवक मंडल परिवार, जयपुर।

हार्दिक श्रृद्धांजली

आदरणीय श्रीमान रतनलाल जी छाबड़ा साहब
(पूर्व अध्यक्ष राजस्थान जैन सभा, जयपुर)

के आकस्मिक स्वर्गवास पर हार्दिक श्रृद्धांजली एवं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें।

श्रृद्धावनत

सुभाष चंद पांड्या, अध्यक्ष
दर्शन जैन बाकलीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष
मुकेश सोगानी, उपाध्यक्ष
मनीष बैद, महामंत्री
विनोद जैन कोटखावदा, मंत्री
भानू छाबड़ा, संयुक्त मंत्री

एवं समस्त राजस्थान जैन सभा परिवार, जयपुर।

"पुरुष भी रोता है"

अमन ज्योंही अपने नाना जी के स्कूटर पर बैठा, अरे नाना जी आज फिर आप देर से आए मुझे लेने। मेरे सभी दोस्त जा चुके है। हां बेटा,वो रास्ते में तुम्हारे लिए नए वाले मानचित्र लेने चला गया था। तुम्हीं ने तो सुबह बताया था। मानचित्र में अपने शहर का नाम व मौजूदा पर्यटन स्थल अंकित करना तुम्हारे अवकाश के दिनों का गृह कार्य है।

अध्यापिका ने पहले ही करने को दे दिया है । अच्छा,नानाजी आज मेरी चित्रकला की कॉपी का पेज अंकित ने फाड़ दिया था । आपको पता है मैं आज रोया नहीं,क्यों क्या हुआ। कल तक तो तुम बात-बात पर रोते थे। हां,पर नानाजी बाईजी कहती है कि लड़कियों की तरह क्या बात-बात पर रोते हो । इसलिए अब मैं नहीं रोऊंगा। आपको पता है मैडम भी कह रही थी पुरुष कभी नहीं रोते,नानाजी अमन की तरफ देख रहे थे। अभी तो तुम सिर्फ कक्षा सातवीं में हो और इतनी बड़ी-बड़ी बातें करते हों और तुमने ये बात गलत कहीं है कि पुरुष रोते नहीं है।अरे भाई पुरुष भी तो इंसान ही है वो कोई पत्थर के थोड़ी बने है। हां पर पुरुष हर आम चीजों के लिए नहीं रोते हैं उन्हें पता है। वो उन्हें और मिल जाएगी । पर पुरुष जब रोते हैं ना तो पत्थरो में भी कंदन हो जाते हैं । अच्छा पहले वो भी बात बात पर रोते हैं। फिर उन्हें बार-बार यह कहा जाता है की क्या बात बात पर रोते हो । फिर वो किसी विशेष बात पर रोते है। जैसे पहली बार कुछ विशेष वस्तु के खो जाने पर, अपने अजीत दोस्तों के बिछड़ जाने पर, प्रेम में असफल हो जाने पर, परीक्षा में पास हो जाने पर। अरे नानाजी परीक्षा में पास होने पर कोई रोता है क्या । वो तो खुश होता है । नानाजी, अमन रोता है जब उसे बार-बार कोई ये कहे कि तुम पास नहीं हो पाओगे और जब वह अपनी लगन से उन लोगों को गलत साबित करता है। तब रोता है ।अपनी मां के जाने पर, अपने पिता के गुम हो जाने पर पुरुष रोता है । फिर धीरे-धीरे वह रोना बंद कर देता है ।क्योंकि वह पत्थर का हो चुका होता है। फिर वहीं लोग उससे कहते है तुम कितने निष्ठुर,कितने पत्थर दिल हो चुके हो । इसलिए पुरुष रोता तो हैं पर अपने मन के भीतर, इसलिए अमन तुम भी रोया करो जब भी तुम्हारा रोने का दिल करे रोने से मन हल्का होता है। पर किसी विशेष के खो जाने पर । अमन नानाजी की गोद में बैठ गया और बोला नानाजी ये लो टॉफी आज कक्षा में मेरे दोस्त का जन्मदिन था। इसलिए मुझे दो टॉफी मिली है। चलो मुंह खोलो,आ-आ,अमन ने देखा नानाजी की आंखों में आंसू थे । अमन ने अपने नानाजी के गालों पर चुंबन किया और हंसते हुए बोला क्या नानाजी लड़कियों की तरह रोते हैं और हंसने लगा।

डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

श्री दिगंबर जैन समाज, मालविया नगर, जयपुर की विनयांजलि सभा आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य 108 श्री विद्या सागर महाराज के समाधिमरण पर श्री दिगंबर जैन समाज, मालविया नगर,जयपुर की विनयांजलि सभा आज रविवार ,दिनांक 25 फरवरी 2024, प्रातः 10 बजे श्री शांति नाथ दिगंबर जैन मंदिर सत्कार शापिंग सेंटर सेक्टर 3 के सुधा सागर सभागार में रखी गई हैं। ट्रस्ट अध्यक्ष सी एल जैन ने सभी से निवेदन किया कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर अपनी भक्ति प्रकट कर अपना जीवन कृतार्थ करे।

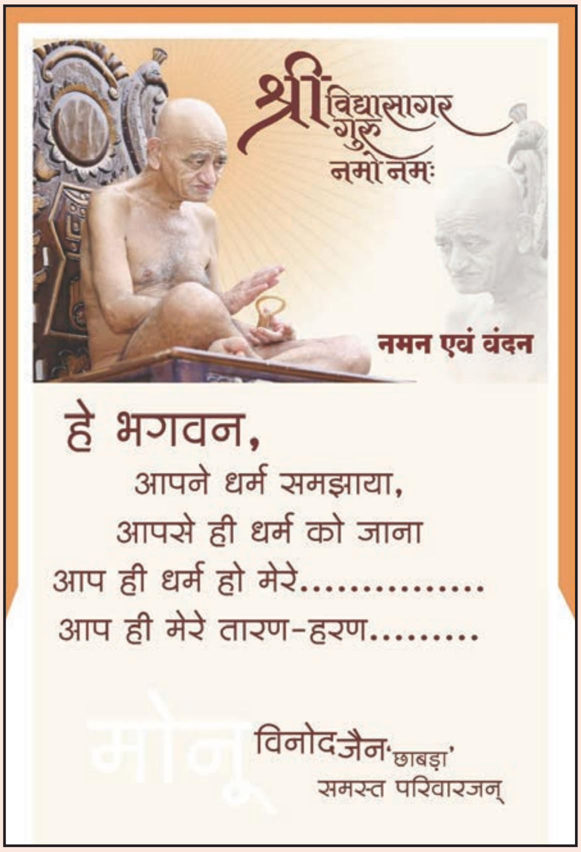

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

नेट-थियेट पर राजस्थानी एकॉस्टिक रॉक

कानुडा ना जान म्हारी प्रीत

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज अनप्लग्ड मेलोडी बैंड की ओर से प्रवीण सिंह डांगी ने अपनी मधुर वाणी से राजस्थानी लोकगीत एवं भजन की ऐसी सरिता प्रवाहित कि दर्शक मदमस्त हो झूम उठे। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार प्रवीण ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत भजाना सु लागे मीरा मीठी रे मेवाड़ी राणा सुनाकर की। इसके बाद राजस्थानी लोक गीत झाला पंछी रा, ठंडी बात मौसम सर्दी दा गायक दर्शक झूम उठे। उन्होंने जब कानुडा ने जानी मेरी प्रीत और कट कट काटू रतिया भीगी मोरी अखियां जोगिया लोकगीत को बडे ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। अंत में उन्होंने राजस्थान का सुप्रसिद्ध लोकगीत केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश से कार्यक्रम को विराम दिया। इनके साथ गिटार पर गिटारिस्ट अभिषेक चटर्जी और कजोन प्लेयर यश्वनी सक्सेना ने असरदार संगत कर लोकगीतों और भजन की इस सुरीली शाम को सुरमई बना दिया। संयोजक नवल डांगी तथा प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी एवं संगीत सागर गढवाल ने किया। मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

ब्यावर खाद्य व्यापारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर हुआ आयोजित

अमित गोधा.शाबाश इंडिया

ब्यावर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण,राजस्थान के निर्देशों में सौ दिवसीय कार्य योजना के तहत डॉक्टर ज्योत्सना रंगा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजमेर के निर्देशन में आज ब्यावर व्यापार संघ, ब्यावर एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की फूड सेफ्टी टीम के संयुक्त तत्वावधान में राज्य सरकार द्वारा नामित ट्रेनर के द्वारा ब्यावर के लगभग 160 किराना एवम्‌ मिठाई विक्रेता और अन्य खाद्य कारोबार कताओं को नरसिंह मंदिर परिसर में फोस्टैक ट्रेनिंग दी गई। व्यापारियों को बताया गया कि खाद्य कारोबार में खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के नियमों के अनुसार खाद्य पदार्थों के भंडारण,रख रखाव एवम्‌ विक्रय हेतु किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। शिविर में खाद्य व्यापार संघ की ओर से संजय घीया ने भी व्यापारियों से नियमों की पालना करते हुए विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार खाद्य कार्यभार करने की सलाह दी। खाद सुरक्षा अधिकारी अजय मोयल ने बताया कि खुला मसाला और खुला तेल नियमानुसार नहीं बेचा जा सकता। व्यापार संघ की ओर से अध्यक्ष संजय घीया खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय मोयल फोस्टैक ट्रेनर मेहराज व विनोद फुलवारी, प्रकाश कुंदनानी, राजेंद्र शर्मा, नरेश गुप्ता, गौरव सक्सेना, जेनिश भारती विपुल बोहरा, व अन्य उपस्थित रहे।

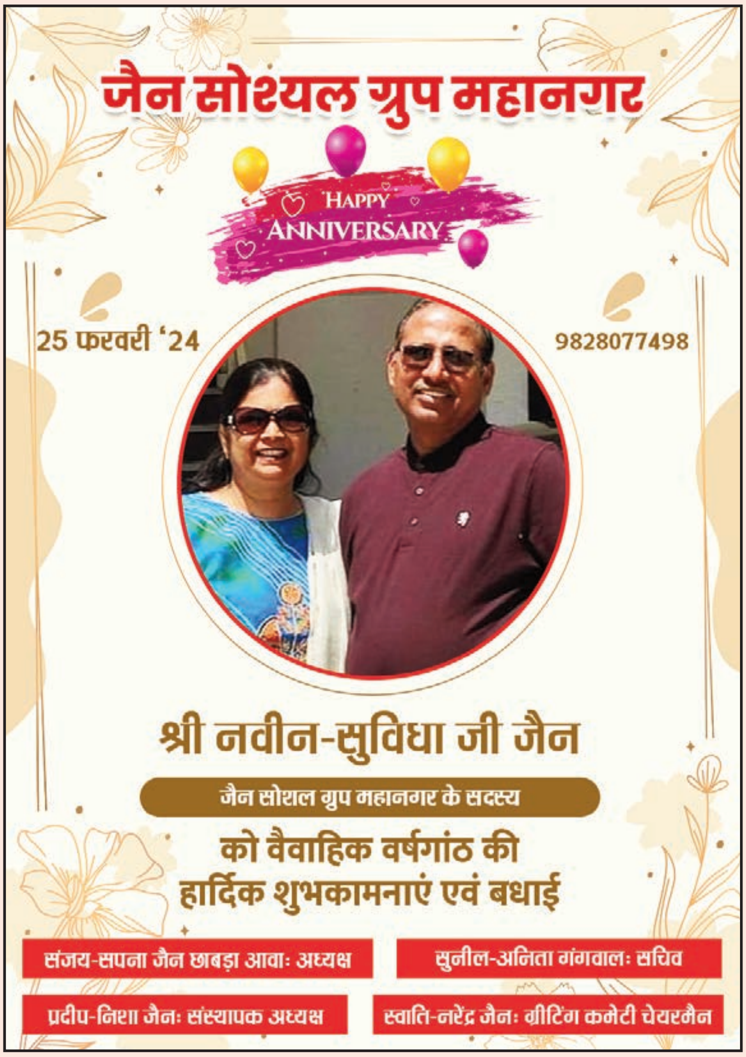

मंगल विहार कॉलोनी जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, ज्ञानकल्याणक की क्रियाएं, आज वेदी में विराजेंगे श्रीजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार कॉलोनी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य 108 सर्वांगभूषण श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के पांचवें दिन शनिवार को को ज्ञानकल्याणक महोत्सव से मनाया गया। इस मौके पर ज्ञानकल्याणक की क्रियाएं हुई और सजा भगवान का समोषरण सभी के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आया। महोत्सव समिति के अध्यक्ष अश्विनी जैन व मानद मंत्री अमित गोधा ने बताया कि महोत्सव के तहत शनिवार को ज्ञान कल्याणक महोत्सव की क्रियाएं हुई। इस मौके पर ध्यान,मंगलाष्टक, ,द्वाविंषतिका आशीर्वाद के अभिषेक व पूजा की गई। महामुनि तीर्थंकर ऋषभदेव का आहार हुआ। महामुनि तीर्थंकर ऋषभदेव को आहार देने के लिए भक्तों को होड में मच गई। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने महामुनि तीर्थंकर ऋषभदेव को भक्तिभाव से आहार दिया। दोपहर में केवलज्ञान संस्कार की विधि के बाद समोषरण का उद्घाटन, किया गया। इस अवसर पर समोषरण में बोलते हुए मांगलिक प्रवचनों में आचार्यश्री चैत्यसागर जी महाराज ने कहा कि जहां-जहां समोषरण सजता है,वहां चहुं ओर शांति छा जाती है,धर्म की प्रभावना होती है,उसमें केवल तीन ही गति के जीव आते है। महाराज श्री ने यह कहा कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, जो इस बात को समझ लेता है वह इसका उपयोग चंदन की लकड़ी के समान बहुमूल्य मानकर, संयम आदि धारण कर मुक्ति मार्ग के लिए करता है। जो मानव जीवन की दुर्लभता को नहीं समझ पाता है, वह चंदन की लकड़ी को भी कोयला बनाकर बेचने के समान कार्य करता है। देवता चाहते हुए भी संयम धारण नहीं कर सकते, केवल मनुष्य गति में ही धर्म को पूर्ण रूप से धारण करने की पात्रता मिलती है। क्योंकि देव गति में जीवन भोगों में, नरक गति में अवर्णनीय दुख भोगने में और तिर्यंच जीवन तो ज्ञान हीन ही होता है। इसीदिन साम को आरती व प्रवचन के बाद रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गई। प्रचार संयोजक रितेश जैन व शुभम शाह ने बताया कि ने बताया कि ध्यान व मंगलाष्टक के बाद जिनाभिषेक पूजन,मोक्ष कल्याणक पूजा, के बाद आचार्यश्री के प्रवचन के बाद जयकारों के बीच श्रीजी नवीन वेदी में विराजेंगे इसके बाद विसर्जन,समापन व सम्मान समारोह होगा।

कोविड के बाद बढ़ रहा 'मानसिक रोग', मेंटल हेल्थ पॉलिसी सख्ती से लागू हो

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विश्वविद्यालय के साइकोलॉजी विभाग व एसएमएस मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में मेंटल हेल्थ पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। जिसमें जयपुर समेत प्रदेशभर के शोध छात्र, फैकल्टी शामिल हुए। रूसा के 2.0 प्रोजेक्ट की प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ.सुशीला पारीक व को इन्वेस्टीगेटर डॉ. चंद्राणी सैन के अनुसार दो दिन तक चली कार्यशाला में यह बिन्दु निकलकर सामने आया कि महामारी के बाद मानसिक रोग का शिकार न केवल युवा बल्कि बुजुर्ग भी गिरफ्त में आ रहे हैं। केन्द्र सरकार की मेंटल हेल्थ पॉलिसी को राज्य सरकार को सख्ती से लागू करने पर ही मानसिक रोगियों को फायदा मिल सकता है। मौजूदा स्थिति में राजस्थान में ही नहीं देशभर में मनोचिकित्सकों की कमी के कारण बीमारी से पीड़ित होने पर मरीजों को ठीक तरह से इलाज नहीं मिल पा रहा है। गिरिश्वर मिश्रा ने भारतीय मनोविज्ञान और दर्शन पर चर्चा करते हुए कहा कि सकारात्मक सोच से जो खुशी मिलती है, वो निगेटिव सोच से नहीं। दोनों का ही दिमाग से सीधा संबंध होता है।

पार्श्वनाथ भगवान की 50 स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में हुई कल्याण मंदिर विधान की पूजा

पूजा अर्चना में 101 पूज्यार्थियों ने पूजा अर्चना कर पुण्यार्जन प्राप्त किया

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आर्यिका श्रुतमति माताजी ,आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आज पारसनाथ भगवान के 50 वें स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में श्री कल्याण मंदिर विधान की पूजा की गई, कार्यक्रम में आर्यिका संघ के पावन सानिध्य, दिगंबर जैन समाज के सहयोग से प्रतिष्ठाचार्य मनीष गोधा लदाने वालों ने विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा पूजा करवाई, कार्यक्रम में 101 पूजार्थियों द्वारा विधान में पूजा अर्चना कर पुण्यार्जन प्राप्त किया, तथा विधान पर 44 अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। इससे पूर्व कार्यक्रम में संध्याकाल में समाज के विभिन्न महिला मंडलों के द्वारा विनतियां का कार्यक्रम रखा तथा आज प्रातः अभिषेक ,शांति धारा, अष्टद्रव्यों से पूजा की गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा तथा मंत्री कमलेश चोधरी ने अवगत कराया कि पूजा अर्चना में सभी दम्पति जोड़ों को आर्यिका श्री के कर कमलों द्वारा चांदी का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम मनोज कुमार जैन एंड पार्टी मालवीय नगर द्वारा साज बाज के साथ सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में रामस्वरूप पवन कुमार सिद्ध कुमार जैन मोदी परिवार ने बोली के माध्यम से सौधर्म इन्द्र की बोली छुड़वाई, तथा सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा मोदी परिवार के घर पर मंगल कलश पहुंचाया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी सोहनलाल झंडा, केलास कलवाडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सुरेश जैन मांदी ,रतन नला, सीताराम कलवाडा, धर्मचंद पीपलू,अशोक कागला, सुरेंद्र बावड़ी विनोद कागला,अनिल कठमाना ,पारस मोदी, विमल कलवाडा,अशोक गिंदोडी, मुकेश गिंदोडी, शैलेन्द्र कुमार कलवाड़ा, त्रिलोक पीपलू, कमलेश चोधरी, मितेश लदाना तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

गांव अजीतपुरा में अनेकता में एकता का उदाहरण

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। जिले के जेरठी पंचायत के गांव अजीतपुरा में एक दिन के लिए अनेकता में एकता का उदाहरण देखने को मिलता है ।माघ शुक्ल पक्ष में पुर्णिमा के दिन गांव के बालाजी मंदिर में सभी ग्रामवासी चाहे किसी जाति धर्म गरीब अमीर सभी एक जाजम पर बैठ कर प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसमें सभी ग्राम वासियों का सहयोग रहता है। चाहे कम या ज्यादा यह परम्परा 35 वर्षो से लगातार जारी है। इस दिन गांव में एक टाइम का भोजन मंदिर प्रांगण में आयोजित किया जाता है सभी ग्रामवासी इस आयोजन में दुर दुर से पधारते हैं ।यह उदाहरण हमें कम ही देखने को मिलता है परिवार में लोग एक जगह भोजन नहीं करते हैं ये सभी ग्रामवासी एक दिन ही सही एक जाजम पर बैठकर भोजन ग्रहण करते हैं। यह हमारे समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। गांव के सरपंच बोदुराम जी ने बताया की गांव के सभी लोग एक दिन भेदभाव भुलाकर मंदिर प्रांगण में भजन कीर्तन व भोजन ग्रहण करते हैं।

रूपश्री जैन का दिगम्बर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष पद पर मनोनयन

अजमेर. शाबाश इंडिया

आज दिनांक 24 फरवरी 2024 शनिवार को महासमिति के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट मुकेश बोहरा के वैशाली नगर स्थित निवास पर दिगम्बर जैन महासमिति (दिल्ली) महिला राजस्थान अंचल की मीटिंग हुई।महासमिति की शकुंतला रावत (प्रदेश अध्यक्ष), सुनीता गंगवाल (महामन्त्री) व शीला सेठी (प्रकोष्ठ मंत्री) की देख रेख में एवम उनकी अनुशंसा पर दिगम्बर जैन महासमिति महिला अजमेर संभाग के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से रूपश्री जैन का मनोनयन हुआ इसके साथ ही नवल छाबड़ा एवम शैल पाटनी (उपाध्यक्ष), रेणु पाटनी (मंत्री), अनुभा बाकलीवाल (सहमंत्री), सुनीता गंगवाल (कोषाध्यक्ष), बीना गदिया (महिला प्रकोष्ठ मंत्री), कला बज एवं कविता सेठी (सांस्कृतिक मंत्री), अंजू पाटनी(प्रचार प्रसार मंत्री), मंजुला जैन (युवा प्रकोष्ठ मंत्री) का मनोनयन किया गया। इस अवसर पर मुकेश बोहरा व प्रकाश पाटनी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), प्रो. सुशील पाटनी (जिला अध्यक्ष), एवं अन्य गणमान्य जिनमे प्रमुख प्रीति जैन, अरुणा गदिया, सुप्रिया सेठी, मधु पहाड़िया,अंतिमा लुहाड़ियां, संगीता साल्गिया, प्रभा गंगवाल, शिखा सोगानी, रजनी पाटनी,मीना बड़जात्या आदि उपस्थित रहे। अजमेर संभाग की आगे की कार्यकारिणी का विस्तार 1- मार्च- 24 के पश्चात किया जायेगा।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

अहिंसा, सत्य और अनेकांत की हृदयग्राही
विमुग्धिकृत अभ्व मानवीय प्रस्तुति
वीतराग साधना पथ के अविराम पथिक
पूर्णिमा के चन्द्रमा की तरह
उज्ज्वल-धवल-प्रकाशमान
आचार्य श्री विद्या सागरजी महामुनिराज

ब्रह्माण्ड के देवता, विश्व हित चिन्तक, युग द्दष्टा, सन्त शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागरजी महाराज रात्रि के तृतीय प्रहर में, देवत्व की राह में चले गये। देवताओं ने जिन्हें अपने पास बुला लिया। निश्चित ही उन्होंने अपने आध्यात्मिक जीवन को आनन्द के साथ पूरा किया। जिनके जीवन में वाणी की प्रमाणिकता, साहित्य की सृजनात्मकता एवं प्रकृति की सरलता का त्रिवेणी संगम था। जो अपराजिता के शिखर थे, जिनकी वीतरागता प्रणम्य थी, जिनका जीवन मलयागिरी चन्दन की तरह खूशबूदार था। अपारथिव एवं यथार्थ संसार के बीच आचार्य भगवान एक दीप स्तंभ थे। आचार्य भगवान की चेतना, पुष्पराग की भान्ति निष्पक्ष थी। ना उन्हें जाति पाति से प्रयोजन था, ना अपने पराये से परहेज था, ना देशी से राग ना विद्वेषी से द्वेष था, आचार्य श्री का जीवन सर्व जनीन और सर्व हितंकर था। आचार्य भगवन का जीवन वटवृक्ष के समान था। आपके उद्बोधन एवं परिचर्या में महावीर का दर्शन होता था।आप वर्तमान के वर्धमान थे, आप सम्वेदनशीलता एवं डायनेमिक सन्त थे। आपका जीवन पारदर्शी, पराक्रमी तथा जीवन और जगत दोनों को आलोकित करने वाला था। आपने दहलीज पर खड़ी उदीयमान पीढ़ी को दिशा द्दष्टी, और प्रतिभा स्थली को, हथकरघा, पूणार्यु, गौशाला के माध्यम से, उस पीढ़ी की डगर में दोनों ओर मील के पत्थर कायम कर दिए। पिछले सैकड़ों हजारों वर्षों में कोई ऐसा प्रखर और विचारोत्तेजक ना था, ना है और ना होगा। मैं ऐसे सन्त की चरण वन्दना करके धन्य हुआ। उनके आशीर्वाद कृपा से ही मेरा उत्कृष्ट सिंह निष्क्रिडित व्रत निर्विघ्न सानन्द सम्पन्न हुआ। हम स्मृतिशेष आचार्य श्री के बताए सन्मार्ग पर निरन्तर बढ़ सकें, यह प्रार्थना कर, मैं उनकी पवित्र स्मृति में अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं। आचार्य श्री के दिव्य चरणों में त्रयभक्ति पूर्वक बारंबार नमोस्तु नमोस्तु नमोस्तु। **-अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर**

> **हम स्मृतिशेष आचार्य श्री के बताए सन्मार्ग पर निरन्तर बढ़ सकें, यह प्रार्थना कर, मैं उनकी पवित्र स्मृति में अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं।**

आचार्य विधासागर जी महाराज का विन्यांजली कार्यक्रम पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रमण शिरोमनी महामुनिराज आचार्य श्री 108 विधासागर जी महाराज के मोक्ष गमण पर आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास, 8, सिविल लाईन्स जयपुर पर विन्यांजली का आयोजन किया। गहलोत ने आचार्य श्री विधासागर जी महाराज की फोटो के समक्ष खादी की माला चढ़ाकर श्रद्धांजली अर्पित की। गहलोत ने बताया कि आचार्य श्री के उन्होनें जबलपुर में कुछ वर्ष पूर्व दर्शन किये थे और व उनकी चर्या से काफी प्रभावित थे। विन्यांजली कार्यक्रम में रूपिन काला व महेश काला ने पूर्व मुख्यमंत्री को बताया कि आचार्य श्री ने मोक्ष मार्ग पर चलने का संदेश दिया साथ ही गौ माता संरक्षण हेतु सैंकड़ों गौ शालाएं खुलवाई, हाथकरघा वस्त्रों के लिए अनेक उधोग स्थापित करवाए। जेलों में कैदीयों के सुधार हेतु हाथकरघा रोजगार केन्द्र खुलवाए, बालिकाओं की शिक्षा हेतु विधास्थली स्कूल खुलवाए, आयुवेदींक चिकित्सा हेतु चिरायु चिकित्सालय खुलवाए। इण्डिया को भारत नाम से पुकारे जाने के लिए सबसे पहले पहल की। श्रमण संस्कृति को बढ़ाने के लिए सुसंस्कृत षिक्षित युवकों व युवतियों को वृति बनाकर दिक्षा दिलवाई। कार्यक्रम में महेष काला, रूपिन काला, जी.एस.बापना, संत कुमार जैन, विनोद जैन, कुमकुम जैन व अनेक कांग्रेस कार्यक्रता शामिल रहे।